डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 243 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 17 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

यलो अलर्ट के बाद भी भीषण गर्मी, शाम को कहीं- कहीं बूंदाबांदी

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। रविवार को मंदसौर जिले में बारिश का येलो अलर्ट था। लेकिन, दोपहर में तेज धूप और उमस से लोग परेशान नजर आए। बारिश के संकेत कहीं से कहीं तक नहीं मिले। हालांकि मौसम विभाग ने शाम या रात में बारिश का अनुमान जाहिर किया था। शाम को कहीं कहीं बूंदा बांदी हुई।

वेस्टर्न डिस्टर्बन्स, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ लाइन की वजह से आंधी बारिश का मौसम बना हुआ है। दिनभर तेज गर्मी तो शाम को बादलों की आवाजाही हो रही है। यह प्री मानसून की एक्टिविटी है। मौसम जानकारों के अनुसार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में आ रहा मानसून कमजोर पड़ गया है। इसलिए अब मध्यप्रदेश में मानसून अपने तय समय से 4-5 दिन देरी के आएगा। प्रदेश में 20-21 जून तक मानसून की एंट्री हो सकती है। जिले में यह 25 जून के आसपास पहुंचेगा।इससे पहले प्री मानसून की एक्टिविटी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अभी साउथ-वेस्ट राजस्थान के हिस्से में चक्रवाती घेरा और उत्तर प्रदेश से मेघालय तक एक ट्रफ लाइन एक्टिव है। वहीं, दक्षिण-पश्चिम हवाओं का घेरा होने से नमी आ रही है। इस वजह से प्रदेश में आंधी-बारिश की एक्टिविटी है। वहीं, अभी मानसून की गति धीमी हो गई है। इस तरह यह कुछ दिन लेट हो सकता है।

ईद पर ड्रोन से नजर रखेगी पुलिस

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस द्वारा ईद उल जुहा को दृष्टिगत रखते हुए जिले के संवेदनशील एवम मुख्य मार्गो एवम भवनों की छत की ड्रोन से लगातार मॉनिटरिंग कर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना, चौकी क्षेत्र में आगामी त्योहार ईद को शांतिपूर्वक मनाने हेतु लगातार थाना, चौकी क्षेत्र में पड़ने वाले संवेदनशील इलाकों एवम मुख्य मार्गो तथा भवनों की छत पर ड्रोन द्वारा सर्वे किया रहा है। मंदसौर पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले संवेदनशील इलाकों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जिससे आगामी त्योहार शांति एवम सौहार्द से मनाया जाए एवम किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति न बने।

मामला जावरा में गौवंश की हत्या का...

दो और आरोपियों के घरों पर चला बुल्डोजर

जावरा, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के जागनाथ मंदिर में गोवंश का सिर फेंकने के दो और आरोपी के घर रविवार को गिरा दिए गए। दोपहर को टीम आरोपी नौशाद और शाहरुख के घर बुलडोजर लेकर पहुंची। नौशाद उर्फ हनुमार पिता भुरे खां कुरैशी उम्र 40 साल, निवासी जूना कबाड़ा, शाहरुख पिता अब्दुल सत्तार उम्र 25 साल अरब साहब कॉलोनी का रहने वाला है। घटना गुरुवार रात 3 बजे की है। शुक्रवार सुबह दो आरोपी सलमान पिता मोहम्मद मेवाती निवासी मेवातीपुरा और शाकिर पिता शाहिद कुरैशी निवासी जेल रोड के घर गिरा दिए गए थे। बता दें कि चारो आरोपियों पर रासुका कि कार्यवाही कर भेरु गढ़ जैल उज्जैन भेज दिया गया हैं।

जूआ खेलते हुए 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर के हायर सेकेण्डरी स्कूल के पास स्थित झोपड़ी में ताश पत्ती से जुआ खेलते हुए छ: आरोपियों को कचनारा पुलिस ने गिरफ्तार किया। चोकी प्रभारी पूर्णिमा सिरोहिया ने बताया कि नगरी में रविवार को हायर सेकेण्डरी स्कूल के पास जूआँ खेलते हुए ✻ इब्राहिम पिता छोटेलाल जाति पठान उम्र 54 साल निवासी पानपुरिया मोहल्ला सीतामऊ, ✻ नन्दकिशोर पिता कारुराम पाटीदार जाती पाटीदार निवासी रोला थाना रिंगनोद जिला रतलाम ✻ शकिल पिता आबिद खान उम्र 38 साल निवासी पानपुरिया मोहल्ला सीतामऊ ✻ सलीम पिता अब्दुल हमीद जाति शेख उम्र 46 साल निवासी कालुखेडा चौराहा ढोढर ✻ राकेश पिता फकिरचंद जैन उम्र 42 साल निवासी गौशाला के पास रिंगनोद ✻ सब्दर पिता अजीज लखारा उम्र 42 साल निवासी वेदनाथ गली वार्ड क्रमांक 10 सीतामऊ जिला मंदसौर को गिरफ्तार करते हुए उनसे 55640 रूपये की राशि जप्त की। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 13 जूआँ एक्ट के तहत कार्यवाही की।

पुलिस ने पकड़े 169 वारंटी, जिलाबदर बदमाशों को भी चेक किया

कॉम्बिग गश्त में 300 से अधिक पुलिस वालों ने किया जगराता

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में एक बार फिर कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस अधिकारी कर्मचारियों ने रातभर जगराता किया। बदमाशो की धरपकड़ का सिलसिला पूरे जिले में चला। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित, अराजपत्रित अधिकारियों सहित करीब 300 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मैदान में नजर आए। अभियान में 169 वारंटियों को पकड़ा। जिसमें 47 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किये गए। जिनमें थाना कोतवाली- 6 थाना वायडी नगर- 3 थाना नई आबादी-2 थाना भावगढ- 3, थाना दलोदा- 2 थाना नाहरगढ- 4 थाना अफजलपुर- 2 थाना पिपलियामंडी- 3 थाना नारायणगढ- 1 थाना मल्हारगढ - 2, थाना सीतामऊ - 3 थाना सुवासरा- 2 थाना शामगढ- 7 थाना गरोठ- 7 द्वारा तामिल किया गया। इसी प्रकार जिले में कार्यवाही के दौरान कुल 122 गिरफ्तारी वारंटियों की भी धरपकड़ की गई, जो थाने अनुसार है। थाना कोतवाली- 6, थाना वायडी नगर- 3, थाना नई आबादी- 3, थाना भावगढ- 7, थाना दलौदा- 8, थाना नाहरगढ- 12, थाना अफजलपुर-8, थाना पिपलिया मंडी- 4, थाना नारायणगढ - 14, थाना मल्हारगढ- 5, थाना सीतामऊ - 11 थाना सुवासरा- 12, थाना शामगढ - 11, थाना गरोठ- 1, थाना भानपुरा- 8, थाना गांधीसागर- 5, थाना अजाक- 4 के द्वारा कार्यवाही की गई।

देश में ऋषिकेश के अलावा मंदसौर में है लक्ष्मणजी का मंदिर

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के कैलाश मार्ग के समीप क्षेत्र में भगवान राम के अनुज भगवान लक्ष्मण का दुर्लभ मंदिर है। कच्चे रास्तों एवं पगडंडियों में होकर पहुंचना पड़ता है। 500 साल से भी अधिक पुराने मंदिर का ऐतिहासिक व आस्था को लेकर महत्व है। कहा जाता है कि देश में उत्तराखण्ड के ऋषिकेश के अलावा सिर्फ मंदसौर ही वह स्थान है जहां भगवान लक्ष्मण का मंदिर है। यहां पर निर्जला एकादशी के दिन बड़ी संख्या में भक्त पहुंचेगे और भगवान का फूलों से नयनाभिराम श्रृंगार होगा। प्रतिदिन मंदसौर में दर्शन के अलावा दोपहर 12 से 5 बजे तक पट बंद रहते है।

शिक्षाविद, संगठक, समाजसेवी जयेश नागर ने बताया निर्जला एकादशी पर ही मंदिर में विशेष आयोजन होते है। इसी मंदिर के नाम से लक्ष्मण दरवाजा से पूरा क्षेत्र जाना जाता है। पूर्व में लक्ष्मणजी के मंदिर से ढोल ग्यारस के वेवाण निकलते थे। तो हर शुक्रवार को मेला लगता था वहीं शरद पूर्णिमा को लेकर अन्नकूट महोत्सव जैसे आयोजन भी होते थे।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। नारायणगढ थाने के ग्राम दोरवाडा में एक निजी यात्री बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार विनोदसिंह निवासी सेमली मेवाड जिला नीमच बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था। इसी दौरान मैनारिया बस एमपी 44 जेडबी 0991 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

उठावना

स्व. सेठ श्री राजाराम जी गुप्ता की पुत्रवधु, स्व. सेठ श्रीकांत जी गुप्ता की धर्मपत्नी एवं हमारी पूज्य माताजी

श्रीमती अल्पना जी गुप्ता

का 16 जून रविवार को अचानक देवलोक गमन हो गया। जिनका उठावना 17 जून 24 सोमवार को प्रात: 11 बजे डेक्सटर ग्लोबल स्कूल परिसर, उप जेल के समीप, (अंबेडकर चौराहा)मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻✻✻✻✻✻✻ श्रद्धानवत ✻✻✻✻✻✻✻✻✻

राखी गर्ग, पूजा विपिन जी गोयल, मुक्ता विशाल जी गोयल एवं समस्त गुप्ता परिवार मंदसौर

राजाराम एंड ब्रदर्स स्टार्च फैक्ट्री मंदसौर

विचार-मंथन

लालच की आग से आई कुवैत में त्रासदी...

कुवैत के मंगफ क्षेत्र में अग्निकांड के बाद खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीय मजदूरों की बदहाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मध्य पूर्व के इस देश में रोजगार की तलाश में गए 40 से अधिक भारतीय मजदूरों की मौत की घटना स्तब्ध करने वाली है। अग्निकांड के बाद भारत एवं कुवैत सरकार की तमाम एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं, लेकिन यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि वहां मजदूरों की जीवन दशा बेहद खराब है और इस बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं, जिन्हें अनसुना किया जाता रहा है। विदेश मंत्रालय के आंकड़े हैं कि खाड़ी देशों में स्थित भारतीय दूतावासों में मजदूरों की 48095 शिकायतें मिलीं, जिनमें सबसे ज्यादा कुवैत में ही 23020 शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों पर क्या कदम उठाए गए, इस बारे में तथ्य उपलब्ध नहीं हैं। यह साफ है कि कुवैत में मजदूरों के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। वहां पर खराब स्थिति और कम संसाधनों के बीच उन्हें रहने को मजबूर किया जाता है। जबकि, कुवैत की अर्थव्यवस्था जो इस समय आगे बढ़ रही है, उसमें भारतीयों की भूमिका सबसे ज्यादा है। आरोप तो यहां तक लगते हैं कि कुवैत के स्थानीय लोग भारतीय मजदूरों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते। नियोक्ता तय वेतन से कम भुगतान करते हैं। सुविधाएं ना के बराबर हैं। एक-एक कमरे में 15 से 20 मजदूरों को ठूंस कर रखा जाता है। मंगफ क्षेत्र की जिस इमारत में आग लगी, उसकी सुरक्षा और सरकारी प्राधिकारों की अनुमति को लेकर भी सवाल उठे हैं। वहां जांच बिठा दी गई है। लेकिन अहम सवाल यह है कि व्यवस्था में सुधार को लेकर कोई पहल पहले क्यों नहीं दिखी। सवाल यह भी उठता है कि बदहाली के बावजूद कुवैत समेत खाड़ी देशों में मजदूरों की संख्या क्यों बढ़ रही है। एक रपट के मुताबिक, एक भारतीय मजदूर वहां चालीस से पचास हजार रुपए हर महीने कमा लेता है। जाहिर है, कुवैत में ज्यादा कमाई का लालच तो है ही। विदेश मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 1990-91 के खाड़ी युद्ध में कुवैत में भारतीय समुदाय पर बड़ा प्रभाव पड़ा। भारतीयों का बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। 1.7 लाख से ज्यादा भारतीयों ने देश छोड़ा। लेकिन इसके बाद ज्यादा कमाई के लालच में वहां संख्या बढ़ी। साथ ही, वहां की कंपनियों का सस्ते श्रम का लालच भी बढ़ा। कुवैत में कई बार दुर्व्यवहार और धोखाधड़ी के मामले आए हैं। शोषण की शिकायतें इतनी ज्यादा मिलने लगी हैं कि भारतीय दूतावास में एक शिकायत निपटान केंद्र खोलना पड़ा। वहां अधिकतर मजदूर केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार से जाते हैं और उनके अनुभव आमतौर पर ठीक नहीं होते। मंगफ हादसे में मरे मजदूरों के बारे में ऐसी भी जानकारियां सामने आई हैं कि उनमें से कई को पर्यटक वीजा पर ले जाया गया। अब कुवैत सरकार ऐसे मजदूरों को अवैध मजदूर के तौर पर चिह्नित करने में जुटी है। पर्यटक वीजा पर भेजे गए मजदूरों का कोई रेकार्ड न तो दूतावास में होता है और न ही भारत सरकार के पास। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि भारत सरकार उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल का गठन करके अपनी ओर से भी जांच बिठाए।

शासन की निरंतरता और गठबंधन की मजबूरी

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल में शासन की निरंतरता जारी रखी है। केंद्र सरकार के सभी अहम मंत्रालयों में पुराने मंत्रियों की वापसी हुई है। राजनाथ सिंह प्रतिरक्षा संभालते रहेंगे तो देश की आंतरिक सुरक्षा का जिम्मा अमित शाह के पास ही रहेगा। अगर वे अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करते हैं तो यह एक रिकॉर्ड होगा क्योंकि देश में आज तक कोई भी नेता 10 साल तक गृह मंत्री नहीं रहा है। अर्थ नीति और विदेश नीति का जिम्मा क्रमशः निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर के पास ही है और सड़क परिवहन व राजमार्ग का जिम्मा नितिन गडकरी के पास है। शिक्षा के क्षेत्र में जो कुछ हो रहा है उसे चलाए रखने की जिम्मेदारी फिर से धर्मेंद्र प्रधान के ऊपर डाली गई है। कुल मिला कर देश की आर्थिक, सामरिक, सामाजिक नीतियों में कम से कम मंत्रियों के जरिए निरंतरता का संदेश दिया गया है। पहले ऐसा लग रहा था कि लोकसभा के आंकड़े बदलने और नई राजनीतिक स्थितियां पैदा होने से सरकारी की संरचना में बदलाव आएगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए निरंतरता बनाए रखने में मुश्किल होगी। लेकिन उन्होंने नई स्थितियों में भी शासन का पुराना ढांचा बनाए रखा है। अपने अपने विभागों में पुराने मंत्रियों की वापसी से यह संदेश गया है कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में नीतियों की जिस निरंतरता का वादा किया था उसमें कोई बदलाव नहीं आने वाला है। ध्यान रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले 10 साल में जो काम किया है वह 'ट्रेलर' है पूरी फिल्म बाकी है। चुनाव प्रचार में उन्होंने एक रूपक का इस्तेमाल किया और कहा कि उनका अब तक का कामकाज 'स्टार्टर है, मेनकोर्स अभी बाकी है'। अगर त्रिशंकु लोकसभा की वजह से सरकार की संरचना में बदलाव होता तो निश्चित रूप से उसका असर सरकार के कामकाज पर होता। उसकी नीतिगत और प्रशासनिक निरंतरता प्रभावित होती। कह सकते हैं कि नई राजनीतिक स्थितियां उभरने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बाधा पार कर ली है। परंतु सवाल है कि क्या यह स्थिति स्थायी रहने वाली है या गठबंधन की मजबूरियां सरकार के कामकाज पर असर डालेंगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि सहयोगी पार्टियों को उनकी संसदीय ताकत के हिसाब से कम मंत्री पद देने और अपेक्षाकृत कम महत्व के मंत्रालय देने का विरोध हुआ है। यह विरोध बहुत उग्र नहीं है फिर भी कई पार्टियों ने आपत्ति की है और दबी जुबान में ही सही विरोध प्रकट किया है। तभी उनके समर्थन और उनकी चुप्पी को सरकार फॉर गारंटेड नहीं ले सकती है। भले वे सरकार की स्थिरता के लिए खतरा पैदा नहीं करें लेकिन नीतिगत मसले पर सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं और अगर विपक्षी पार्टियां किसी मसले पर मजबूत विरोध दर्ज कराती हैं तो सहयोगी भी इस मौके का इस्तेमाल सरकार पर दबाव बनाने के लिए कर सकते हैं। यह स्थिति स्थायी रहने वाली है। विपक्षी पार्टियां भी सत्तारूढ़ गठबंधन की इस फॉल्टलाइन का इस्तेमाल करने का प्रयास करेंगी। यह सही है कि सरकार को संख्या के लिहाज से खतरा नहीं है लेकिन वह सहयोगी पार्टियों को एक सीमा से ज्यादा पीछे धकेलने की जोखिम नहीं ले सकती है। अगर सहयोगी पार्टियां जोर देकर कोई बात कहती हैं तो प्रधानमंत्री को उस पर ध्यान देना होगा। जैसे कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने मंत्रालय का कामकाज संभालते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता का कानून सरकार के एजेंडे का हिस्सा है वैसे ही जनता दल यू के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि एजेंडा है लेकिन इस पर सबकी सहमति से ही आगे बढ़ना है। सो, इस तरह के नीतिगत मसलों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों की बारीक नजर रहेगी। वैसे भारत की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। 1989 से लेकर 2014 तक यानी ढाई दशक देश में गठबंधन की सरकार चली और उन सरकारों में जो भी प्रधानमंत्री बना उसने अपने कामकाज की शैली राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप ही रखी। प्रधानमंत्री देश हित, क्षेत्रीय आकांक्षा और राजनीतिक मजबूरियों के बीच बारीक संतुलन साध कर चलते रहे। यह अलग बात है कि महज 145 सांसद होने के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जुलाई 2008 में अमेरिका के साथ परमाणु संधि जैसे विवादित नीतिगत मसले को मंजूरी दिलाई। लेकिन उस दौर के प्रधानमंत्रियों और नरेंद्र मोदी में एक फर्क यह है कि मोदी ने कभी गठबंधन की सरकार नहीं चलाई है, जबकि वीपी सिंह से लेकर चंद्रशेखर, पीवी नरसिंह राव, एचडी देवगौड़ा, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह गठबंधन से ही प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने अपनी पार्टियों का पूर्ण बहुमत नहीं देखा। सो, वे पहले दिन से गठबंधन की मजबूरियों के साथ चले, जबकि मोदी को पहली बार गठबंधन की मजबूरियों का सामना करना पड़ रहा है। सो, वे किस तरह से परिस्थितियों के साथ सामंजस्य बैठाते हैं यह देखने वाली बात होगी। यह सही है कि पहले की गठबंधन सरकारों के मुकाबले उनकी सरकार में गठबंधन का नेतृत्व कर ही उनकी पार्टी के पास कुल 82 फीसदी सीटें हैं। इस लिहाज से वे पहले गठबंधन में बने प्रधानमंत्रियों के मुकाबले बेहतर स्थिति में हैं फिर भी दबाव तो उन पर भी आएंगे और मजबूरियां उनके सामने भी आएंगी। अभी यह पता नहीं है कि कम मंत्री पद देने और कम महत्व के मंत्रालय देने के बावजूद उन्होंने सहयोगी पार्टियों को कैसे समझाया कि वे सरकार का हिस्सा बनें। आने वाले दिनों में इसकी परतें खुलेंगी। सरकार के दोनों बड़े सहयोगी यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू केंद्र में अपने सांसदों को मंत्री बनवाने या उन्हें बड़ा मंत्रालय दिलाने से ज्यादा राज्य में अपनी सरकार की स्थिरता और कामकाज से मैसेज देने की कोशिश करने वाले हैं। इसलिए दोनों की प्राथमिकता राज्य की राजनीति है। दोनों विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं और अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है तो विशेष आर्थिक पैकेज पर उनका फोकस रहेगा। क्या प्रधानमंत्री मोदी ने इसका कोई वादा दोनों मुख्यमंत्रियों से किया है।

... और 'कर्ज का मर्ज' बढ़ता ही चला गया

दीपिका अरोड़ा

पुरातन काल से ही सामाजिक व्यवस्थाओं का अभिन्न अंग रहा लेन-देन अपने बदले हुए प्रारूप सहित आज भी विद्यमान है। आवास, शिक्षा, व्यावसायिक, कृषि आदि खर्च का एक बटन दबाते ही लोन लेने के ढेरों विकल्प हमारे सम्मुख उपस्थित हो जाएंगे। समस्त औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात ऋण प्राप्ति संभव होने से भी कहीं कठिन है अपनी विश्वसनीयता कायम रखते हुए अविलंब कर्ज चुकता कर पाना। उधारी का बोझ जी का जंजाल बन जाए तो इसे जानलेवा बनते भी देर नहीं लगती। विगत 23 मई को तमिलनाडु स्थित शिवाकाशी के निकट थिरुथांगल में घटित प्रकरण पर ही दृष्टि डालें, कथित रूप से कर्ज का बोझ एक परिवार के 5 सदस्यों द्वारा सामूहिक आत्महत्या करने का सबब बन बैठा। ऐसा ही समाचार 24 मई को फरीदाबाद के सैक्टर-37 से प्राप्त हुआ, जहां करोड़ों के कर्ज में डूबे एक व्यापारी ने सपरिवार आत्मघात का प्रयास किया। घटना में परिवार के 70 वर्षीय मुखिया की जान चली गई जबकि 5 सदस्यों की हालत गंभीर है। कथित तौर पर 40 करोड़ की कर्ज वसूली हेतु सूदखोर, रिकवरी एजेंट तथा बदमाशों का परिवार को धमकाना ही घटना को अंजाम देने का कारण बना। सूदखोरों के लिए अक्सर मुनाफे का धंधा साबित होने वाले कर्ज की फितरत ही कुछ ऐसी है कि कब ब्याज राशि जुड़कर भारी-भरकम देय रकम में तब्दील हो जाए, पता ही नहीं चलता। दिग्गज कारोबारियों की लुटिया डुबोने से लेकर नामचीन हस्तियों तक को दीवालिया बनाने के अनेकों उदाहरण देश-विदेश में आए दिन देखने में आते ही रहते हैं। अच्छा-खासा ऋण लेकर उड़न छू होने के किस्से भी जग जाहिर हैं तो ब्याज वसूली के नाम पर बोटी-बोटी नोच डालने वाले खलनायक भी समाज में बहुतेरे मिल जाएंगे। आर्थिक विपन्नता में अपशब्दों की भरमार सहित जब सामाजिक उत्पीड़न भी शुमार होने लगे तो निःसंदेह, कर्जदार की मानसिक स्थिति उस स्तर तक पहुंचते देर नहीं लगती, जहां सर्वपक्षीय मुक्ति के रूप में केवल प्राणान्त ही विकल्प सूझे। एन.सी.आर.बी. की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 के दौरान देश में हुई 1,70,924 आत्महत्याओं के कुल मामलों में 4.1 प्रतिशत आत्महत्याएं आर्थिक तंगी व कर्ज के चलते हुईं। कृषि क्षेत्र पर ही दृष्टिपात करें तो देश भर में 15.5 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ का कर्ज है। पिछले 2 दशकों के दौरान हजारों की संख्या में तनावग्रस्त किसानों ने आत्महत्याएं कीं। एक अध्ययन के मुताबिक, 2017 से 2021 के मध्य घटित 1000 किसान-आत्महत्याओं में 88% मामलों के पीछे भारी कृषि ऋण जिम्मेदार रहा। प्रति व्यक्ति औसत मासिक आय में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद पंजाब के अधिकतर किसान भारी कर्ज के बोझ तले दबे हैं। कर्ज का यह मकड़जाल पीढ़ी-दर-पीढ़ी पैठ बनाता जा रहा है। आजीविका चलाने अथवा मूलभूत सुविधाएं जुटाने हेतु कर्ज लेना जहां निर्धन की मजबूरी है, वहीं ऐश्वर्यशाली जीवन जीने की आकांक्षा पालने वाले सामान्य लोगों के लिए ऋण साधन सम्पन्न बनने का पर्याय भी बन चुका है। दूसरे शब्दों में, उधारी का घी पीने के लोभ ने हमारी 'सादा जीवन, उच्च विचार' वाली पारम्परिक जीवनशैली को काफी हद तक बदलकर रख दिया है। एस.बी.आई. की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान परिवारों पर कर्ज का बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया तथा 2022-23 में इन पर कर्ज भी 8.2 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। परिवारों की घरेलू बचत करीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 प्रतिशत पर सिमट गई, जोकि पिछले पांच दशक में सबसे कम है। ऋणभार के संदर्भ में देश की स्थिति आंकें तो भारत के 33 फीसदी से अधिक राज्यों तथा विधायिका वाले केंद्र शासित प्रदेशों ने वर्ष 2023-24 के अंत तक, अपने कर्जों को उनके जी.एस.डी.पी. के 35 फीसदी को पार करने का अनुमान लगाया है। विगत वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को बढ़ते संप्रभु कर्ज (केंद्र व राज्य सरकारों का कुल कर्ज भार) के प्रति सचेत करते हुए, इससे दीर्घकालिक जोखिम बढ़ने की आशंका भी व्यक्त की थी, हालांकि भारत सरकार द्वारा आई.एम.एफ. के विश्लेषणात्मक अनुमानों पर तथ्यात्मक रूप से असहमति प्रकट करना एक अलग मुद्दा है। बड़े-बुजुर्गों की समझाइश के अनुरूप यदि 'चादर देखकर ही पैर पसारने' की आदत हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन जाए तो कर्ज लेने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती।

क्या यूरोप में बढ़ेगा राष्ट्रवाद का जोर

यूरोपीय संसद के चुनाव ऐसे तो बहुत ज्यादा चर्चा में नहीं होते लेकिन इस बार उसके चुनाव नतीजों पर उसी तरह बात हो रही है, जैसे किसी और महाशक्ति के आंतरिक चुनाव पर होती है। आलम यह है कि इसके असर में फ्रांस के आम चुनाव घोषित हो गए हैं और जर्मनी में भी इसकी मांग उठने लगी है। इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण यह है कि यूरोप अभी एक ऐतिहासिक मोड़ से गुजर रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप का सबसे बड़ा युद्ध यूक्रेन की जमीन पर चल रहा है, जिसमें एक तरफ रूस है और दूसरी तरफ सारे नैटो देश। इस लड़ाई में एक तरफ धन की बर्बादी हो रही है, दूसरी तरफ तेल और गैस समेत बहुत सारे प्राकृतिक संसाधन, जिन पर यूरोप की संपदा निर्भर करती थी, रूस से आने बंद हो गए हैं। अगली बड़ी समस्या यह है कि पूरा मध्यपूर्व, जिसमें पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका शामिल हैं ढ्ढ लीबिया, सीरिया, इराक और लेबनान से लेकर अफगानिस्तान तक- पूरा इलाका अभी उजड़ा पड़ा है और वहां से बड़ी संख्या में लोग भागकर यूरोप जा रहे हैं। दसियों लाख लोग तुर्की और इटली के रास्ते यूरोप के शहरों में भर गए हैं। पेरिस और बर्लिन से लेकर मिलान और वारसा तक कई मशहूर शहर, जो सदियों से अपने सुंदर रखरखाव के लिए जाने जाते रहे हैं, अभी विशाल झुग्गी झोपड़ियों से कसे हुए नजर आ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि यूरोप का कम पढ़ा लिखा मैनुअल लेबर वाला तबका या तो बेरोजगार हो गया है या उसको बहुत कम मजदूरी पर काम करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी की शक्ल में जाहिर हो रहे इन दोनों मुद्दों को लेकर यूरोप में काफी गुस्सा है। दो यक्ष प्रश्न लोगों के सामने हैं यूक्रेन की लड़ाई कब ठंडी पड़ेगी और विस्थापितों की वापसी का कुछ हो पाएगा या नहीं। दोनों मसले सबसे ज्यादा तीखे ढंग से फ्रांस, जर्मनी और इटली की अति राष्ट्रवादी पार्टियों ने उठाए हैं और यूरोपीय संसद के चुनाव में उनके वोट 2019 के मुकाबले डेढ़ से दो गुना हो गए हैं। इन नतीजों का एक संदेश साफ है कि यूक्रेन की लड़ाई में अधिक से अधिक कुर्बानी देने की अमेरिकी पुकार यूरोप में पहले से कम सुनी जाएगी। यूरोपीय संसद को समझना हो तो यह यूरोप के एकीकरण के सात स्तरों और कानून बनाने से जुड़े तीन स्तरों वाले ढांचे में एक है। सेकंड वर्ल्ड वॉर के बाद यूरोप समझ गया कि आपस में युद्ध का रास्ता उसे कहीं का नहीं छोड़ेगा। एकजुटता की कोशिशों के क्रम में अब से 71 साल पहले यूरोपियन पार्लियामेंट का गठन हुआ, हालांकि इसके लिए हर पांच साल पर होने वाले चुनाव 1979 से होने शुरू हुए। यह संसद एक त्रिस्तरीय व्यवस्था के बीच में पड़ती है। सबसे ऊपर यूरोपियन कमिशन है जो किसी मुद्दे पर कोई प्रस्ताव रखता है। यूरोपीय संसद उस पर बहस और वोटिंग करती है। अंत में राष्ट्रीय सरकारों के प्रतिनिधियों को लेकर गठित 27 सदस्यीय यूरोपियन काउंसिल अंतिम रूप से यूरोपीय संसद की राय को स्वीकारती है, नकारती है, उसमें कोई सुधार करती है या फिर उसका कोई सदस्य उसे वीटो कर देता है। यूरोपीय संसद में अभी 720 सीटें हैं। 2019 के चुनाव में इसमें 705 सीटें थीं। सबसे ज्यादा यूरोपीय सांसद जर्मनी से, फिर फ्रांस, इटली और स्पेन से चुनकर आते हैं। सबसे कम, छह-छह सीटें माल्टा और लक्जमबर्ग को मिली हुई हैं। यूरोपीय संसद में अलग-अलग मिजाज की पार्टियों को मिलाकर बने गुटों में ये सांसद बैठते हैं। इस बार के चुनाव नतीजों का एक और खराब पहलू यूरोपियन यूनियन के अधिकारों में कमी का दबाव बनने का है। इसकी वकालत करने वाली पार्टियों ने पहली बार लगभग एक चौथाई सीटें जीत ली हैं।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5268

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5267

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5268

संकेत: बाएं से दाएं

1. महात्मा गांधी ने केवल एक बार कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की अध्यक्षता की यह अधिवेशन यहां आयोजित किया गया था (1924)(4)
4. भारत में पहली रेलगाड़ी अप्रैल 1853 में यहां से थाणे के बीच (34 किमी.) चलाई गई थी (3)
6. उच्चारण करना, बोलना (3)
7. शतरंज की एक चाल (2)
8. नेत्रहीन, सूरदास, नयनहीन (2)
9. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (1)
10. सन्यासिन, योगिनी, साधुनी (3)
12. भागवतधर्म, श्रीकृष्ण (3)
14. सर्वश्रेष्ठ, अत्यंत, मुख्य, प्रधान (3)
15. प्रकार, ढंग, विधि (3)
16. नगमा, तराना, गाना (2)
17. झुकने या प्रणाम करने की क्रिया (3)
18. भूकर, राजस्व, लौह रीबिन्दु (3)
20. सप्ताह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
22. जो सदा घूमता-फिरता रहता हो (3)
23. शरणदाता, प्रणतपाल, सरपर (4)

ऊपर से नीचे

1. बागुनाह, निरपराध (4)
2. तरंगण, कंपन, लहराव (4)
3. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, नगमा (2)
4. वाचाल, जबानदराज, बदजुबान (4)
5. आस्तिकतावाद, स्वार्थहीनता, धर्म विश्वास, ईश्वर पर विश्वास (3)
11. उदास, रंजीदा, शोकग्रस्त, दुखित (4)
13. वेतन देने वाला (5)
14. वह व्यक्ति जो कुश्ती लड़ना सिखाए (5)
17. पैगंबर साहब की उपाधि, सम्मान, उदाहरण (उर्दू)(3)
19. लूटमार, ध्वस्त, बर्बाद (3)
21. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन, असबाब, पकाई सामग्री, स्वादिष्ट आहार (2)

वर्ग पहेली 5267 का हल

पायाखेड़ी तथा रणायरा में जेसीबी से हो रहा अवैध रेत का उत्खनन, खनिज विभाग मौन.?

राजू सोनी

नाहरगढ़, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। रेत का अवैध तरीके से उत्खनन लगातार जारी, लगाम कसने में विभाग नाकाम। सर्वाधिक रेत का उत्खनन नाहरगढ थाना क्षेत्र के गांव पायाखेडी गांधी सागर डैम से जुड़ा खाल हो रहा हैं.? वहीं गांव रामगढ आसपास भी अवैध रेत का कारोबार चल रहा है.. सूत्र.दोनों स्थानों से बड़ी मात्रा रेत माफ़िया रोजाना सैकड़ों की संख्या में जेसीबी माध्यम से ट्रैक्टर के जरिए नदी ओर खाल का सीना चीर कर रेत उत्खनन में लगे हुए है. इसी खाल में रोजाना रेत का अवैध तरीके से खनन का खेल लगातार जारी है. अवैध रूप से चल रहे रेत उत्खनन कार्य से जहां शासन को लाखों रुपए के रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है. इसके साथ ही जेसीबी खुदाई से नदियों साथ खाल का अस्तित्व पर संकट भी गहराता जा रहा है. कई जगह रेत की खदान इतने ज्यादा बढ गए है कि वहां जनजीवन पर भी इसका असर दिखने लगा है. जानकारी के मुताबिक रेत के इस अवैध कारोबार में जिले के अलावा आस-पास के तहसील के स्थानीय, नेताओं और छोटे मोटे संघटन से जुड़े लोगों का खेल चल रहा है?, जो दिन और रात रेत का अवैध कारोबार चला रहे है. अगर रेत खनन का विरोध भी किया जाता नेतागिरी का पावर दिखाया जाता है..? ग्रामीणों का कहना है कि अगर शासन प्रशासन इस ओर ध्यान देकर जेसीबी के माध्यम से हो रहे रेत खनन का कारोबार पर नियम अनुसार कार्रवाई होना चाहिए.? अब यह देखना है कि खनिज विभाग कब तक अवैध रेत माफियाओं खनन पर कार्रवाई करता है.? या औपचारिकता पूर्ण कर मुह दिखाई की रस्म अदा करेगा.?

रेडक्रास द्वारा यूपी के जरूरतमंद को की गई आर्थिक मदद

नीमच, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवंरेडक्रॉस अध्यक्ष श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद के निर्देशन मे उत्तर प्रदेश निवासी एक जरूरतमंद नंदकिशोर पिता परशुराम ग्राम जखौरा जिला ललितपुर उत्तर प्रदेश की जेब कटने से रूपयो की जरूरत होने पर रेडक्रॉस द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।श्री नंदकिशोर अपनी माता रामकली बाई का इलाज करवाने हेतु जयपुर जा रहे थे इसी दौरान ट्रेन में ही उनकी जेब कट गई थी जिसके कारण उनके पास किराया तक के पैसे नहीं बचे थे यह मामला जब डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक प्रशासक सुश्री किरण आंजना के संज्ञान में आया तो तत्काल उन्होंने कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत के निर्देशानुसार रेड क्रॉस से आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बावड़ी सफाई श्रमदान के संकल्प के साथ गंगा दशहरा पर हुआ समापन

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड मंदसौर जिला मंदसौर से चयनित नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था, ग्राम विकास प्रस्तुत समिति बाजखेडी, बालेश्वर ग्राम विकास समिति नौगावां नेविगेट 5 जून पर्यावरण दिवस से 16 जून गंगा दशमी को समापन हुआ।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा नमामि गंगे अभियान के तहत जल स्रोत की सफाई हेतु आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान नयापुरा रोड कालाखेत 400 वर्ष पुरानी बालाजी वाली बावड़ी जो एक आस्था का बिंदु बना हुआ है यहां पर मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के कई लोग बावडी का पानी लेने आते हैं बावडी की पानी की विशेषता है कि बावड़ी के पानी से स्नान करने से चर्म रोग जैसी बीमारी खत्म हो जाती है बावड़ी की लगभग 12 दिनों से सफाई का कार्य चला जिसमें जिला प्रशासन, नगर पालिका परिषद, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया जन अभियान एवं आमजन के सहयोग से बावडी की सफाई का कार्य किया गया। सफाई अभियान के उपरांत राज्यसभा सांसद बशीलाल गुर्जर, कलेक्टर दिलीप यादव, जिला पंचायत सीएमओ सत्यम कुमार, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्री तृप्ति बैरागी, नगर पालिका अध्यक्ष रामादेवी गुर्जर, नगर पालिका सीएमओ सुधीर कुमार, तहसीलदार रमेश मासरे, वार्ड पार्षद शांति फरक्या, अमन फरक्या, वरिष्ठ

सामाजिक कार्यकर्ता विनय दबेला, महेश दुबे, राजाराम तंवर, अजीजुल्लाह खान, नितिन सोनी, माया शर्मा, संजय नीमा, शौकीन नलवाया, ललित भाटी, बंसीलाल टांक ,उषा सोलंकी, मोहिनी सिंह राणा, संतोष सालवी, रेखा बैरागी, सरोज बावेल, गोपाल माली, निलेश ग्वाला, हरिओम गंधर्व नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, रतनलाल चौहान, मंजू भावसार, लाला भाई अजमेरी और मंदसौर के आमजन एवं कोई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित की उपस्थिति में बावड़ी 16 जून गंगा दशहरा के पावन पर्व पर पं. गोपालकृष्ण शास्त्री जी ने मंत्रोचार कर स्वच्छता की संकल्प के साथ समापन किया गया।

गायत्री जयंती पर जल पात्र बांटे

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। भीषण गर्मी और पानी की विकट समस्या से मनुष्य और पशु - पक्षी सभी परेशान है। हम तो पानी मांगकर भी अपनी प्यास बुझा लेते हैं, लेकिन बेजुबां प्यासे पक्षी कहाँ जाए? पक्षियों की इस पीड़ा को दूर करने के लिए गायत्री परिवार द्वारा 15 वर्षो से लगातार पक्षी बचाओ आंदोलन चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज गायत्री जयंती के पावन पर्व पर गायत्री शक्तिपीठ पिपलिया मंडी पर यज्ञ में पधारे श्रद्धालुओं को जल पात्र बाटे एवं उनसे दाना - पानी रखने का आग्रह किया। अभियान के संयोजक जगदीश पोरवाल ने सभी से निवेदन किया कि, अपने घर की छत पर एवं पेड़ के नीचे जल पात्र अवश्य रखे, एवं भीषण गर्मी में पक्षियों का सहारा बने।

कांकरवा बालाजी में 60 वां मेला संपन्न

कुचड़ोद, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। अंचल क्षेत्र के कांकरवा बालाजी मैं 7 दिवसीय मेला, यज्ञ पूर्णाहुति एवं भागवत कथा का विश्राम, प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। मेले में आसपास के दर्जनों गांवों से बडी संख्या में ग्रामीण मेला घूमने, दर्शन करने एवं प्रसाद लेने पहुंचे। बता दे कि यहां करीब 60 वर्षों से गंगा दशमी के अवसर पर मेले का आयोजन होता आ रहा है। एवं पिछले 26 वर्ष से पंचकुंडात्मक श्री राम मारुति महायज्ञ का भी आयोजन होता आ रहा है। समिति के अनुसार यहां मेले की प्रथा करीब 60 वर्ष पूर्व ब्रह्मलीन महंत गोकुलदास जी द्वारा शुरू की गई थी। इसके बाद ब्रह्मलीन महंत उद्धव दास जी एवं वर्तमान महंत रामदास के सानिध्य में प्रतिवर्ष समिति के द्वारा मेले का आयोजन किया जा रहा।

आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद सम्पन्न

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषियानंद आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन मे श्री प्रकाश रातडिंया ने कहा कि प्रत्येक भारतीय की अभिलाषा गंगा स्नान करने की होती है। हमारे धर्मग्रंथो मे यह उल्लेख है कि गंगा के नाम स्मरण, गंगा दर्शन और गंगा स्नान से आध्यात्मिक उन्नयन होता है। सभी वेदो, पुराणो व धर्मग्रंथो में गंगा महिमा का वर्णन है। गंगा आराधना से साधक हिंसा, झुठ, चोरी, व्यभिचाार, अनैतिक धन अर्जन, दुर्भावना, पेशुनता, प्रलाप, मिथ्या दोषारापण दस पापो से मुक्त हो जाता है, इसलिये गंगा अवतरण उत्सव का नाम गंगा दशहरा हुआ है। आपने कहा कि गंगा का आध्यात्मिक, आर्थिक एवं भावनात्मक महत्व है। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा माता गंगा का अवतरण भगवान विष्णु के आदेश से उनके चरणो से हुआ है तथा भगवान शंकर ने गंगा प्रवाह को धारण कर लोक कल्याण के लिये समर्पित किया है। मनुष्य की सभी बुराईयो को गंगा पवित्र करती है। ऋषि मुनियो की साधना का पुण्य गंगा के भक्तों को प्राप्त होता है। श्री ऋष्यिानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र जोशी ने स्वागत भाषण दिया। श्री राजेन्द्र तिवारी, श्री अमरनाथ भाटी, श्री सत्यनारायण भूरिया, अजय डांगी, सुनील फरक्या, यशवंत प्रजापति ने विचार, भजन एवं गीत प्रस्तुत किये। श्री मोहनसिंह चैहान, श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री मोहन रामचन्दानी, श्री भेरूलाल पटेल, श्री अमृतराम सुनार्थी, श्री नरेन्द्र खण्डेलवाल, श्री रमणीकलाल जैन, श्री विनोद नराणिया ने संवाद मे सहभागिता की। आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने गतिविधियो की जानकारी प्रस्तुत की। आभार प्रदर्शन श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

यह जीत सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम-सांसद

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत पर सीतामऊनगर/ग्रामीण मंडल, कयामपुर, बूढ़ा एवं पिपलियामंडी मंडल में कार्यकर्ता आभार सम्मेलन हुआ। सांसद सुधीर गुप्ता ने जीत का पूरा श्रेय सभी भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों को देते हुए उपस्थित सभी के प्रति हृदय से आभार जताया। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि बूथ से लेकर जिले तक के पदाधिकारी जिस मनोयोग और रणनीत के तहत नामांकन से लेकर रोड शो तक लगे, उसका परिणाम हमें जीत के रूप में मिला। मंदसौर लोकसभा के हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व की बात है कि वैश्विक नेता नरेंद्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने में अपनी भूमिका निभाने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होने कहा कि इस जीत में जितनी भूमिका जनता की है उतनी ही भूमिका आप सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं की है। आप लोगों ने जो इस चुनाव में मेहनत की पराकाष्ठा की उससे ही यह जीत संभव हो पाई। भाजपा पदाधिकारियों का नेतृत्व और आप लोगो

की लगन, शक्ति, उर्जा ने इसे ऐतिहासिक और आसान बनाया। उन्होने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता की यह विशेषता रही है कि वे संपूर्ण समर्पण भाव से पार्टी के लिए कार्य करता है। हमें यही नही रूकना है। आगे बढ़ना है और विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए यही अनवरत कार्य जारी रखना है।

भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया, सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग, भाजपा जिला महामंत्री राजेश दिक्षित, पुर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माच्छोपुरिया, सुवासरा विधानसभा संयोजक जितेंद्रसिंह कोटडमाता, मंडल अध्यक्षगण ओपी परमार, लालसिंह देवड़ा, श्री भारत डांगी, राजेंद्रसिंह राणा, सामंतसिंह, जितेंद्र जाट सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर शिवना नदी के घाट पर साफ-सफाई की

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर शिवना नदी के घाट पर साफ सफाई की गई। इस दौरान लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, मंदसौर एसडीएम श्री शाक्य, सामाजिक कार्यकर्ता, समाजजन, आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले के 194 तालाबों एवं 56 बावडीयो का जीर्णोद्धार किया गया। साथ ही जिले के 500 स्थान पर

वृक्षारोपण के लिए जगह चिन्हित की गई। इस अभियान के पश्चात जितनी भी पुरानी जल संरचनाए वापस अपने पुन: मूल स्वरूप में आ गई। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान को साझा प्रयासों से मूर्तरूप दिया गया। अपने-अपने गाँव की पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने के लिये ग्रामीणजन उत्साह के साथ आगे आए और काम किया। जिले के ग्रामीण अंचल में जन सहयोग से पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन का काम किया गया। इन संरचनाओं से जल ग्रहण क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार में अधिकाधिक जनभागीदारी देखी गई, जिससे ये संरचनाएँ गुणवत्ता के साथ पुनर्जीवित हों रही है। साथ ही इनके प्रति स्थानीय लोगों में लगाव पैदा हुआ। जल संरचनाओं के आसपास देख-रेख के पुख्ता इंतजामों के साथ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण भी किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत घाट पर ही सभी को संकल्प भी दिलाया गया-मैं परमपिता परमेश्वर का कृतज्ञ हूँ कि उन्होंने क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर पंच महाभूतों की सार्वभौम विरासत हमें प्रदान की हैं। मैं राष्ट्र निर्माण के लिए इस सार्वभौमिक विरासत जल एवं जलस्रोतों के संरक्षण का संकल्प लेता हूँ। मैं संकल्प लेता हूँ कि जल संग्रहण संरचनाओं और जल स्रोतों के जीर्णोद्धार के सभी अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाऊंगा। मैं संकल्प लेता हूँ कि प्रदेश की जल संरचनाओं को अतिक्रमण और प्रदूषण से बचाने के लिए मैं स्वयं और अपने समाज को हमेशा प्रेरित करूंगा।

मंदसौर में ऑप्टोमेट्री मीट का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। मालवा मेवाड़ ऑप्टोमेट्रिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन एवं रोहित आई हॉस्पिटल इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में ऑप्टोमेट्री मीट का आयोजन हुआ। एसोसिएशन के संरक्षक ऑप्टम कमलेश सेठिया एवं अध्यक्ष सुनील मालवीय ने बताया कि बच्चों में बढ़ रहे दृष्टिदोषों एवं मधुमेह से होने वाले नेत्र रोगों के बारे मे मार्गदर्शन और जागरूकता बढाने के लिए मंदसौर में ऑप्टोमेट्री मीट का आयोजन किया गया। जिसमें अंचल के 50 से अधिक दृष्टि दोष विशेषज्ञ (ऑप्टोमेट्रिस्ट) शामिल हुए।

रोहित आई हॉस्पिटल इंदौर की डॉ. पलक अग्रवाल ने कहा.कि छोटी उम्र और किशोरावस्था में ही आंखों का कमजोर हो जाना आज के टाइम पर एक बडी समस्या है। एक वक्त पर जब आंखों की रोशनी सिर्फ बुजुर्गों में कम होती थी, लेकिन अब छोटे-छोटे बच्चे भी चश्मा लगाए हुए दिख जाते हैं। आज के वक्त में ज्यादा स्क्रीन टाइम बिताना बच्चों में कमजोर दृष्टिका मुख्य कारण बन रहा है।

उम्र 5 साल हो या 22 साल हर कोई अपने दिन के आधे से ज्यादा वक्त स्क्रीन पर बिता रहा है, फिर चाहे वो टीवी हो मोबाइल हो या फिर लैपटॉप। आंखों के लिए विटामिन और मिनरल्स बहुत जरूरी है। डाइट में इनकी कमी आंखों की समस्याएं उत्पन्न करती है।आंखों की सेहत के लिए बच्चों को आउटडोर खेल के अलावा प्रतिदिन एक घंटा धूप में अवश्य बिताना चाहिए। संतुलित आहार आंखों को लंबी उम्र तक स्वस्थ रखने के लिए बहुत जरूरी है। रेटिना विशेषज्ञ डॉ. रोहित अग्रवाल ने बताया ,की मधुमेह का भी आँखों पर गंभीर एवं नकारात्मक प्रभाव पडता हैस मरीजों को प्रत्येक छ: माह में रेटिना की जांच अवश्य करवानी चाहिए। बदलती लाइफ स्टाइल से टाइप टू डायबिटिज़ के ज्यादा मामले सामने आ रहे है , उन्हें वर्ष में एक डायबिटिक रेटिनोपैथी की स्क्रीनिंग करवान चाहिए ताकि डायबिटिक रेटिनोपेथी से होने वाले अंधेपन रोका जा सके। सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ ओ पी अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिवेश में अपनी प्रैक्टिस को आधुनिक संसाधनों के साथ अपग्रेड करने जरूरत है ताकि मरीजों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने मोतियाबिन्द की रोबॉटिक सर्जरी और मल्टी फोकल लेंस के बारे मे भी जानकारी दी। दृष्टि दोष से जुडे रोग, सावधानियां एवं उपचार को लेकर जागरूकता फैलाने बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई। ऑप्टोमेट्रिस्ट कमलेश सेठिया ने बताया कि सभी को अपनी आंखों की जांच नेत्र रोग विशेषज्ञ या दृष्टिदोष विशेषज्ञ (ऑप्टोमेट्रिस्ट) से ही करवाना चाहिए क्योंकि चश्मे के नंबर निकलते समय विशेषज्ञ आपकी पूरी आंख की जांच करता है।

पशुपतिनाथ मंदिर के सामने रामानुज कोट के समीप फुट ओवर ब्रिज को लेकर अधिकारियों से सिसौदिया ने की चर्चा

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पर शिवना नदी के घाट परिसर में जल संवर्धन संरक्षण एवं सफाई अभियान के दौरान मंदसौर के पूर्व विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री शिवलाल शाक्य तथा तहसीलदार मंदसौर श्री मसारे को मौके पर शिवना के तट पर रामानुज कोट के समीप भवसारों की बावडी के पीछे शासकीय भूमिका का उपयोग वाहन पार्किंग के रूप में किए जाने तथा पार्किंग स्थल से पशुपतिनाथ मंदिर की और फुट ओवर ब्रिज (पैदल) बनाए जाने की कार्य योजना को मूर्त रूप देने का सुझाव दिया तथा कहा कि मेरी प्राथमिकता में मैंने सिहस्थ के बजट में से इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव जी को पत्र लिखकर मांग की है, इस संदर्भ में पशुपतिनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं जिला प्रशासन मिलकर यात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग तथा फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के कार्य को गति प्रदान करें, श्री सिसोदिया ने यह भी बताया कि पशुपतीनाथ महादेव मेले के दौरान खानपुरा, शहर नईबादी क्षेत्र के वाहनों के लिए पार्किंग की कोई सुविधा नहीं होती है, इसलिए रामानुज कोट के पीछे वाली जमीन को समतलीकरण कर पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है तथा यहीं से एक पैदल पुल भी देकर लोगों को पशुपतिनाथ के दर्शन एवं मेले में सहभागिता करने की सुविधा महिया कराई जा सकती है न केवल मेले पर बल्कि महाशिवरात्रि तथा शाही सवारी एवं शाही पालकी के अवसर पर भी इस स्थान का उपयोग पार्किंग के रूप में किया जा सकता है, अधिकारियों से की गई चर्चा एवं सुझाव के दौरान विधायक श्री विपिन जैन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठनेता श्री विनय दुबेला सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अभाविप के मंदसौर जिला संयोजक विजय गर्ग बने

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा

प्रांत का प्रांत अभ्यास वर्ग 13 से 16 जून तक अलीराजपुर में आयोजित हुआ जिसमें मालवा प्रांत की घोषणाएं प्रांत अध्यक्ष मदन वसुनिया द्वारा की गई। जिसमें विजय गर्ग को अभाविप का मन्दसौर जिला संयोजक घोषित किया।

अभ्यास वर्ग में राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल आकान, क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतर्स सुखाड़िया, प्रांत संगठन मंत्री निलेश सौलंकी, प्रांत मंत्री राधिका सिकरवार का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अभ्यास वर्ग में कार्यकर्ताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन हुआ। मालवा प्रांत के सभी जिलों से अभ्यास वर्ग में प्रमुख कार्यकर्ताओ ने सहभागिता करी।

ऋषियानन्द कुटिया पर मनाया गंगा दशहरा महोत्सव

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। परम अवधूत संत ब्रह्मलीन स्वामी श्री ऋषियानन्दजी महाराज की आराध्या-इष्टमॉ भगवती गंगा का अवतरण दिवस गंगा दशहरा श्री ऋषियानन्द आश्रम तेलिया तालाब पर मनाया गया। प्रारंभ में प्रात: 8 बजे गंगा मंदिर में भगवती गंगा के श्री विग्रह (प्रतिमा) का पूजन अभिषेक आरती की गई। तत्पश्चात् पूज्य स्वामी देवस्वरूपानंद सरस्वती के आत्म तत्व पर प्रवचन हुए। प्रसादी भण्डारा हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

स्वामीजी ने कहा कि हम अपने को जो देह शरीर मान बैठे है यही सबसे अज्ञान है। हम देह नहीं बल्कि देही है। अर्थात इस देह और इस देह में स्थित इन्द्रियों का नियंत्रक आत्मा है। स्वामी जी जाग्रत स्थान और सुक्षुप्ती का व्याख्या करते हुए कहा जब हम जाग्रत होते है तब स्वप्न और सुश्रुप्ती अवस्था नहीं रहती। इसी प्रकार स्वप्न में जाग्रत-सुषुप्ती और सुषुप्ती में जाग्रत-स्वप्न अवस्था नहीं रहती परन्तु तीनों अवस्थाओं में जब हमेशा बना रहता है वह हम आत्मा ही है। तीनों अवस्थाओं से जो परे न्यारा है वह है आत्मा। संतों के पास लौकिक कामनाओं की पूर्ति के लिये नहीं बल्कि अलौकिक आत्मानुभूति आत्म ज्ञान की प्राप्ति के लिये जाना चाहिये तभी संतों के सानिध्य में जाने का सच्चा लाभ प्राप्त होता है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर स्नेह नगर पर शिखर निर्माण का हुआ मुहूर्त

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों एवं भक्तजनों की उपस्थिति में पं. भागवताचार्य व कथावाचक श्री सत्यनारायण शर्मा अमलावद वाले ने आज गंगा दशमी के शुभ दिवस को शुभ मुहूर्त में द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर के शिखर निर्माण का कार्य ठेकेदार श्री जितेंद्र कुमावत नरसिंहपुरा से करने हेतु मुहूर्त किया गया। जिसमें मंदिर सलाहकार सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अरुणा मिश्रा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ सदस्य श्रीमती पुष्पा शर्मा, उपाध्यक्ष लता लोहार, ज्योति भिरमा, कोषाध्यक्ष भावना शर्मा, सचिव राखी त्रिवेदी, सहसचिव उषा शर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष प्रतिनिधि ए.पी. शर्मा, सम्यक डायमंड कालोनी सदस्य श्रीमती आशा शर्मा, बीना राठौर अनुसिया टेलर, चांदनी भक्त ओपी मिश्रा, श्यामलाल शर्मा मंगलम, अशोक शर्मा, संजीव त्रिवेदी, गौरव जोशी, विनोद लोहार, अमलेश्वराय मंदिर के प्रमुख विनोद जाट, जितेंद्र भिरमा, मनीष शर्मा, बबलू पाटीदार, चेनसिह सिसोदिया, विनोद बोराना, भेरूलाल धनगर अमलावद, एस एल शर्मा आदि उपस्थित थे।

महूर्त में मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी ने मय जोड़ी के पूजा अर्चना कर कार्य शुरू कराया व मिठाई वितरण कर महादेव का आशीर्वाद लिया कि कार्य ठोस अच्छा मजबूत व मनमोहक शांतिपूर्ण निर्विवाद हो जिसे महादेव की कृपा से सब ठीक हो व जल्दी पूर्ण होवे। इस मौके पर शिखर में होने वाले खर्च की व्यवस्था के लिए भी सभी भक्तजन महानुभावों से सहयोग करने की अपील की गई। यह जानकारी किरण शर्मा देते हुए आम भक्तों से शिखर में सहयोग करने की अपेक्षा की गई।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/731/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-11.06.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री चिराग कुमावत पिता सुरेन्द्र कुमावत निवासी जनता कालोनी, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा केशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 04.03.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 374/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 06.03.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 01.07.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	अरनियामीणा	3	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम. सेंड (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01.07.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-11833/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/734/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-11.06.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कुनाल पाटीदार पिता सचिन पाटीदार निवासी नारायणगढ़, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर द्वारा केशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.02.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 277/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 13.02.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 01.07.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	नारायणगढ़	931/1/1	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम. सेंड (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01.07.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-11781/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट, भारत सरकार ने दी मंजूरी

मुख्यमंत्री डा. यादव ने उज्जैन हेलीपैड से किया पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा संचालन का शुभारंभ

उज्जैन, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा केवल श्री महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर नहीं है बल्कि हमारे आस्था के केंद्र ज्योतिर्लिंगों के प्रति देश और दुनिया में स्थित श्रद्धालुओं की आस्था को जोड़ने का संकप्ल हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव आज उज्जैन स्थित पुलिस लाइन में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन प्रारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के तहत प्रारंभ हो रहे हैं हेलीकॉप्टर की विधिवत पूजा अर्चना की और हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर हवाई सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हवाई सेवा का विस्तार निरंतर जारी रहेगा। आने वाले दिनों में हेलीकॉप्टर की संख्या और बढ़ाई जाएगी। जिसमें 16 -16 यात्री हवाई सेवा का लाभ ले सकेंगे। प्रदेश के मैहर, दतिया, ओरछा, अन्य धार्मिक, पर्यटन और ऐतिहासिक महत्व के देव स्थलों भी हवाई यात्रा से जोड़ा जाएगा।

प्रथम यात्री मुंबई का परिवार– मुख्यमंत्री डॉ यादव ने हेली सेवा के अंतर्गत प्रथम यात्री मुंबई से आई श्रीमती दिशा सिंह और उनके परिवार को विमान टिकट का वितरण किया। पहले चरण में भोपाल उज्जैन ओंकारेश्वर एवं इंदौर उज्जैन ओंकारेश्वर रूट पर यह हवाई सेवा प्रारम्भ की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी पर इस सेवा की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम को सांसद अनिल फिरोजिया, प्रमुख सचिव विमानन संदीप यादव ने भी संबोधित किया।

उज्जैनवासियों का धन्यवाद– मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन को पिछले दो दिनों में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। विकास का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उज्जैनवासियों ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की हैं। केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से धार्मिक स्थलों को पीछे करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उज्जैनवासियों को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव श्री महावीर तपोभूमि पहुंचे – श्री महावीर तपोभूमि प्रणेता आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में श्री गुरु गौतम स्वामी गुरुकुल का शुभारंभ रविवार को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने यहां सर्वप्रथम मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के दर्शन किये। गुरुकुल का संचालन बाल बह्मचारी अरुण भैया के निर्देशन में होगा। इस अवसर पर जो बच्चों के धर्म के माता-पिता बने उन सभी माता-पिता का सम्मान एवं बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। गुरुकुल में इस सत्र में लगभग 16 बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है उन सभी बच्चों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक व स्कूली शिक्षा दी जाएगी। बच्चे 24 घंटे ही श्री महावीर तपोभूमि पर रहेंगे और वहां के नियमों का पालन करेंगे। मुख्यमंत्री ने आचार्य गुरुदेव प्रज्ञा सागर महाराज को श्रीफल समर्पित कर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने प्रवचन में कहा कि मध्य प्रदेश के विकास की एक नई डगर का नाम है डॉ मोहन यादव। हमेशा तत्पर रहने वाले एवं गतिशील रहने वाले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने मध्य प्रदेश में कुछ ऐसा करके दिखाया जो अविस्मरणीय हैं।

पिता से लिया आशीर्वाद– पितृ दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन में अपने पैतृक निवास पर पिता श्री पूनमचंद यादव से भेंटकर उनका आशीर्वाद और आशीर्वचन प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने पिता को अंगवस्त्र पहनाया और जमकर उनसे बतियाये और लड़ियाये भी। पिता-पुत्र की चर्चा में दोनों ने हंसी के ठहाके भी लगाए। इस दौरान मुख्यमंत्री के अग्रज नारायण यादव भी उपस्थित थे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मिडिया से बातचीत में कहा कि कुटुंब परंपरा विश्व को भारत की देन है। सभी को फादर्स डे अर्थात पितृ दिवस की बधाई।

जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन की दिलाई शपथ– मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गंगा दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान सफल रहा है। 6 लाख से अधिक लोगों द्वारा अभियान में जन भागीदारी की गई है। जल स्त्रोतों की संरक्षण के लिए 4000 करोड़ रुपए से अधिक के काम किए जा रहें हैं। वे अभियान अंतर्गत पुरातात्विक धरोहर मोदी का चोपड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी को जल स्त्रोत के संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पत्रकार हितार्थ व जन कल्याण समिति चुनाव निर्विरोध संपन्न, पंडित बने अध्यक्ष

पिपलियामंडी, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया पत्रकार हितार्थ एवं जन कल्याण समिति (रजिस्टर्ड) के तीसरी बार चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। जिसमें सर्वानुमति से जगदीश पंडित (पंचवटी) को अध्यक्ष चुनाव गया। वहीं संरक्षक मनोहर काबरा, उपाध्यक्ष हरीश गुप्ता, सचिव जेपी तेलकार, कोषाध्यक्ष प्रकाश बंसल, संयुक्त सचिव शंभू मेक, सदस्य राजेश फरक्या को चुना गया। सभी ने एक-दूसरे को पुष्पमाला पहनाकर, मिठाई खिलाकर बधाई दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान हुआ संपन्न

नारायणगढ़, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद नारायणगढ़ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनजीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान चलाया गया उसका आज समापन किया गया। नगर परिषद नारायणगढ़ में शासन से प्राप्त निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत निकाय में जल स्त्रोतों तथा नदी तालाब, बावडी तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान चलाया गया। आज अभियान का आयोजन वार्ड नंबर 15 शनि मंदिर, मनासा रोड पर किया गया जिसमें जल संवर्धन अभियान अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता/ निबंध प्रतियोगिता मे भाग लिया गया था उनको आज प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को शील्ड और प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया. उसके उपरांत सफाई मित्रों को प्रमाण पत्र देखे सम्मानित किया गया। उसके बाद भगवान की आरती की गई और अभियान का समापन किया गया. अभियान मे नगर परिषद अध्यक्ष महोदय श्रीमती ममता जी कुँवर जयराज सिंह चौहान, उपाध्यक्ष महोदय वीरेंद्र जी रूपरा, वार्ड 10 पार्षद श्रीमती पुष्पा जी मुंदडा, जनप्रतिनिधियों मे सुरेश जी रूपरा, सौरभ जी कोठारी, संजय जी यति, राजेश जी वालावात, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रमोद जी जैन, पार्षदगण, शासकीय विद्यालयों के कर्मचारी, छात्र-छात्राएं सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, एवं निकाय कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदेश के विश्वविद्यालयों में विमानन संबंधी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स इस सत्र से होंगे प्रारंभ

भोपाल, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। शिक्षा ग्रहण करने के बाद विद्यार्थियों को आसानी से रोजगार मिल सके इसे देखते हुए प्रदेश के विश्वविद्यालयों में विमानन सेवा संबंधी डिग्री और डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग इन पाठ्यक्रमों को इसी सत्र से प्रारंभ करने की तैयार कर रहा है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसे महानगरीय विश्वविद्यालय जो हवाई पट्टी और विमानन सुविधाओं की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में है वे विमानन सेवा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने संबंधी सभी जरूरी तैयारियां जल्द पूरी कर दें, ताकि विद्यार्थियों को जुलाई से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सके।

इन पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को लिखित पाठ्यक्रम के अध्यापन के साथ प्रशिक्षण और इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए विभाग अपने क्षेत्र के एयरपोर्ट प्रबंधन से अनुबंध करेगा, ताकि विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ प्लेसमेंट भी मिल सके। प्रदेश की राजधानी भोपाल के राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भोपाल के विश्वविद्यालय अनुबंध करेंगे। यहां पर विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान भी खोला जा रहा है।जहां प्रदेश के विद्यार्थी विमानन सुरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

विज्ञान में स्नातक करने वाले विद्यार्थी कर सकेंगे कोर्स– इसी सत्र से यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगा, जिन्होंने विज्ञान से स्नातक किया है।अभी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जा रहे हैं।विज्ञान से स्नातक करने वाले विद्यार्थी ही इस कोर्स को कर सकेंगे। इसमें एयरपोर्ट आपरेशन, एविएशन सिक्योरिटी, एयरपोर्ट पर ग्राउंड ड्यूटी करने वाले केबिन क्रू स्टाफ की ट्रेनिंग का कोर्स प्रारंभ करने के साथ ही मैनेजमेंट का कोर्स भी होगा।

चार बड़े शहरों में शुरू किए जाएंगे यह पाठ्यक्रम– अधिकारियों ने बताया कि इस पाठ्यक्रम को बड़े शहर जहां पर हवाई पट्टी और विमानन सुविधाएं हो।उन्हीं शहरों के विश्वविद्यालयों में शुरू किया जाएगा। इस सत्र से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर,उज्जैन के विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कोर्स से संबंधित थ्योरी विशेषज्ञों द्वारा आनलाइन भी पढ़ाई जाएगी, लेकिन प्रैक्टिकल हवाईअड्डा पर ही कराया जाएगा।

गुजरात और बेंगलुरु जाएगी विभागीय टीम– विमानन संबंधी पाठ्यक्रम गुजरात और बेंगलुरु के विश्वविद्यालयों में शुरू किए गए हैं। वहां के विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम कैसे संचालित किए जा रहे हैं। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से इसी माह अधिकारियों की टीम गुजरात और बेंगलुरु के विश्वविद्यालयों में अवलोकन के लिए भेजे जाएंगे। वहां से आने के बाद कोर्स की फीस और सीटों का निर्धारण होगा।

इनका कहना – ऐसे महानगरीय विश्वविद्यालय जो हवाई पट्टी और विमानन सुविधाओं की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में है। वहां के विश्वविद्यालयों में विमानन संबंधी पाठ्यक्रम इसी सत्र से शुरू किए जा रहे हैं। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थियों को जल्दी रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। आने वाले समय में विमानन सेवा में स्टाफ की जरूरत रहेगी।

धीरेंद्र शुक्ला, विशेष कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारी,उच्च शिक्षा विभाग

कठिनाइयों के दौर में भी आरआरबी की चिमनियों को जलाए रखने वाली अल्पना गुप्ता पंचतत्व में लीन

राजाराम एण्ड ब्रदर्स में शोक की लहर, गणमान्यजनों ने मुक्तिधाम पर दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के नगर सेठ के रूप में पहचाने जाने वाले स्वर्गीय राजाराम गुप्ता की पुत्रवधू और कठिनाइयों के दौर में भी आरआरबी की चिमनियों को श्रमिको के हित मे सदैव जलाए रखने वाली श्रीमती अल्पना श्रीकांत गुप्ता का रविवार तड़के 73 वर्ष की उम्र में देवलोक गमन हो गया। मुक्तिधाम पर आपकी पुत्रियों राखी गर्ग, पूजा विपिन गोयल, मुक्ता विशाल गोयल ने मुखाग्नि दी। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्यजनों ने सम्मिलित होकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंदसौर शहर पर जब-जब भी संकट आया तब आरआरबी के संचालक स्वर्गीय राजाराम जी गुप्ता ने बढ चढकर जनता का सहयोग किया इसलिए राजाराम गुप्ता मंदसौर के नगर सेठ के रूप में भी जाने पहचाने जाते हैं आपकी परंपरा को पुत्र श्रीकांत गुप्ता ने आगे बढ़ाया था लेकिन 1997 में अचानक आपके निधन के बाद पुत्रवधू अल्पना गुप्ता ने राजाराम एंड ब्रदर्स की बागडोर संभाली और पति की मृत्यु के कठिन समय में भी आरआरबी के श्रमिकों की चिंता करते हुए फैक्ट्री की चिमनियों को सदैव जलाए रखा। अपनी तीनों पुत्रियों को सुसंस्कारित बनाया जो आज मंदसौर में अपनी अलग ही पहचान बना रही है।

स्वर्गीय अल्पना गुप्ता ने आरआरबी के प्रत्येक श्रमिक की अपने परिवार की भांति चिंता की उनके सुख-दुख में सहभागी बनी यही कारण है कि आज फैक्ट्री में काम करने वाला प्रत्येक श्रमिक पूरे जी जान से अपनी सेवाएं देता है। फैक्ट्री के श्रमिकों के हितों में सदैव काम करने वाली श्रीमती अल्पना गुप्ता का रविवार तड़के देवलोक गमन हो गया। फैक्ट्री परिसर स्थित निवास से आपकी अंतिम यात्रा प्रारंभ हुई जिसमें बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य जनों ने शिरकत की और मुक्तिधाम पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। अन्तिम यात्रा में सर्व श्री सूर्यकांत गुप्ता राजनंद गांव, विजयेंद्र सेठी, गौतम गनेडीवाल, अग्रवाल समाज देशी पंचायत अध्यक्ष आशीश गुप्ता, डा विजय शंकर मिश्र, डा सुरेश पमनानी, डा मजहर हुसैन, संजीव मेहता, डा योगेंद्र कोठारी,अमरकांत गर्ग, सुधा कांत गर्ग, अनील गुप्ता, योगेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, राजमल गर्ग,कनक पंचोली, रम्मू गर्ग, पियूष गर्ग, महेश काबरा, हेमेंद्र गुप्ता,ईश्वर राम चंदानी, आशुतोष नवाल, महावीर जैन, अजय बड़ोलिया, महेश जैन,विनोद डगवर, अजय सिंह चौहान, संजय सिंहल, मनीष मारू, गोपी अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य जन, व्यापारी गण सम्मिलित थे। श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से सर्व श्री नंदकिशोर अग्रवाल, सुनील बंसल, उद्योगपति एस, एम जैन,गजराज जैन, डा सागरमल पामेचा, कृषि वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह सिपानी, युवा भाजपा नेता डा भानु प्रताप सिंह सिसौदिया, राजेश गुजर,वरिष्ठ पत्रकार संजय लोढ़ा, कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, मनजीत सिंह मनी, दशपुर मंडी व्यापारी संघ उपाध्यक्ष सन्तोष गोयल, अभिषेक कुमठ, राजाराम एंड ब्रदर्स स्टार्च फैक्ट्री मैनेजर दिलीप जैन इंजीनियर ओम प्रकाश सोनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन सम्मिलित थे जिन्होंने अल्पना जी गुप्ता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शोक श्रद्धांजलि व्यक्त की। शोक सभा का संचालन नरेंद्र अग्रवाल ने किया। गुप्ता परिवार द्वारा मुक्ति धाम लकड़ी खाते में 21000 की राशी प्रदान की ओर जन सहयोग से झोली में 7821 रूपये प्राप्त हुए।

पशुपतिनाथ घाट पर किए गए दीप प्रज्वलित

मंदसौर, 16 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित गंगा दशहरा कार्यक्रम अंतर्गत जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए । गंगा दशहरा कार्यक्रम का प्रदेश स्तरीय समारोह का लाइव प्रसारण जिले में अलग अलग स्थानों पर एलईडी के माध्यम से किया गया । भगवान पशुपतिनाथ घाट पर दीप प्रज्वलित किए गए एवं पशुपतिनाथ मंदिर पर आकर्षक रोशनी की गई। पशुपतिनाथ मंदिर पर महा आरती की गई । महा आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in